सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 249 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 16 अक्टूबर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

यदि कोई सही तरीके से बोलना जानता है तो उसे पता है कि वाणी एक अमूल्य रत्न है। इसलिए वह हृदय के तराजू में तोलकर ही उसे मुंह से बाहर आने देता है।

-कबीर दास

आईसीसी रैंकिंग में कुलदीप... 7 | जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव... 3 | आरएसएस को लेकर यूपी में... 2

विदेशी तेल से देश में लगी सियासी आग

ट्रंप के ट्रेलर ने फिर बनाया मोदी पर प्रेशर

- पीएम मोदी ने रूस से तेल खरीदने में हाथ खड़े किये!
- क्या अमेरिकन दबाव में झुक गया भारत
- कांग्रेस एनडीए सरकार पर भड़की
- देश के हितों को सुरक्षित रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : जायसवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेरे दोस्त नरेन्द्र मोदी ने मुझसे वायदा किया है कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेंगें। अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे ने भारतीय राजनीति में आग लगा दी है और विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया है। हालांकि विदेश मंत्रालय की ओर से इस दिशा में जवाब आया है लेकिन वह लग्घी से चाय पिलाने जैसा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रंप ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी दोस्ती की बात भी कही। ट्रंप ने दावा किया है कि उनके दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने इस कदम को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर उस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। ट्रंप ने अपने ओवल ऑफिस में उन्होंने कहा है कि अमेरिका इस बात से खुश नहीं है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। उनका तर्क था कि इस तरह की खरीदारी से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध को वित्तपोषित करने में मदद मिलती है।

ट्रंप ने की थी रूसी तेल वाली घोषणा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत के पीएम मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि उनका देश रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। बहरहाल, इस दावे की पुष्टि भारत सरकार ने नहीं की है। ट्रंप ने कहा था कि कोई तेल नहीं होगा। वे तेल नहीं खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव तुरंत नहीं होगा, बल्कि कुछ समय में होगा। वहीं, वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के कार्यालय ने इस संबंध में टिप्पणी करने के अनुरोध का अभी कोई जवाब नहीं दिया है।

विदेश मंत्रालय का आया जवाब

आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित होती हैं। स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी एनर्जी सोर्सिंग का व्यापक आधार बनाना और मार्केट की स्थितियों के अनुरूप विविधीकरण करना शामिल है। जहां तक अमेरिका का संबंध है हम कई सालों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है। वर्तमान प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है। इस पर बातचीत जारी है।

"भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है

ट्रंप से डरे हुए हैं प्रधानमंत्री मोदी : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक नए दावे को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ट्रंप से डरे हुए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा कि वह (मोदी) मेरे मित्र हैं। हमारा बहुत अच्छा रिश्ता है। मेरे मित्र ने मुझे आश्वासन दिया है कि रूस से कोई तेल खरीद नहीं होगी। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं। उन्होंने ट्रंप को यह निर्णय लेने दिया और घोषणा करने दी कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा।" उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी बार-बार आलोचना के बावजूद ट्रंप को सराहना वाले संदेश भेजते रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वित्त मंत्री का अमेरिका दौरा रद्द हो गया। शर्म अल-शेख (गाजा शांति प्रस्ताव से संबंधित शिखर सम्मेलन) में भाग नहीं लिया गया। ऑपरेशन सिन्दूर पर ट्रंप के दवा का खंडन नहीं किया गया।

पीएम ने विदेश नीति के महत्वपूर्ण फैसले अमेरिका को आउटसोर्स कर दिए हैं : जयराम

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख निर्णयों को अमेरिका को आउटसोर्स कर दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख निर्णयों को अमेरिका को आउटसोर्स कर दिया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 10 मई, 2025 को भारतीय समय के अनुसार शाम 5:37 बजे, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सबसे पहले घोषणा की कि भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर रोक दिया है। इसके बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने 5 अलग-अलग देशों में 51 बार दावा किया है कि उन्होंने टैरिफ और व्यापार को अपने दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करके ऑपरेशन सिन्दूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने कहा कि अब राष्ट्रपति ट्रंप ने कल घोषणा की है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल आयात नहीं करेगा। रमेश ने दावा किया, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख निर्णयों को अमेरिका को आउटसोर्स कर दिया है। 56 इंच का सीना सिकुड़ गया है। भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि इस साल मई में पाकिस्तानी सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) द्वारा संपर्क किए जाने पर सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार हुआ था।

आरएसएस को लेकर यूपी में भी संग्राम

सपा व कांग्रेस ने किया जोरदार प्रहार, सपा प्रमुख बोले- आरएसएस को शताब्दी नहीं समाप्ति वर्ष मनाना चाहिए, यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने पाबंदी के लिए शाह को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दक्षिण राज्यों में आरएसएस पर प्रतिबंध की मांग के बीच अब यूपी में भी उसके खिलाफ आवाज बुलंद होने लगी है। सपा व कांग्रेस उस पर रोक लगाने के लिए मुखर होने लगी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आरएसएस को शताब्दी नहीं, समाप्ति वर्ष मनाना चाहिए। केरल में एक स्वयंसेवक के शारीरिक शोषण का आरोप लगाने संबंधी सवाल पर सपा अध्यक्ष ने यह बात कही।

उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार नदियां नहीं, सिर्फ बजट साफ कर रही है। मतदान के दिन बुर्के वाली महिलाओं की चेकिंग के फैसले पर कहा कि हार से बचने के लिए भाजपा कुछ भी कर सकती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बहराइच और आसपास के जिलों में जंगली जानवरों का आतंक है। सांड के हमले से भी हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। त्योहार पर अभी तक किसी को निशुल्क गैस सिलेंडर नहीं मिला है। बिजली के प्री-पेड मीटर तेज भाग रहे है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर मो. आजम खां पर लगे सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

बरेली-मुरादाबाद स्नातक सीट से मो. दानिश होंगे सपा प्रत्याशी

सपा अध्यक्ष ने विधान परिषद की बरेली-मुरादाबाद स्नातक सीट से हाजी मो. दानिश अख्तर को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर कहा कि भाजपा सरकार किसानों की जमीन और फसल को लूट रही है। बड़े कारोबारी घरानों को अपना लैंड बैंक बनाने की खुली छूट दी है। अब किसानों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म बनाना धोखा है। जब सरकार के जाने का समय आया है, तब मुख्यमंत्री को गोमती नदी की सफाई की याद आई है। सपा सरकार ने लखनऊ में गोमती नदी और वाराणसी में वरुणा नदी के लिए जो मॉडल बनाया था, उसी मॉडल से नदियों की सफाई हो सकती है।

उन्होंने सोने की बढ़ती कीमत पर कहा कि गरीब लोग शादियों में बेटी को सोने की लौंग तक नहीं दे पाएंगे। अखिलेश ने कहा, मेरे एक साथी ने कहा कि सोना खरीद लो और दीवाली पर अच्छी कमाओगे। उसकी बात न मानने से मेरा बहुत घाटा हो गया।

यह संगठन सांप्रदायिक जहर फैलाकर देश को बांटने का काम कर रहा है : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रतिबंधित करने की मांग की है। उन्होंने कि आनंदू अजि के शोषणकर्ताओं को सख्त सजा दिलाए जाने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष राय ने कहा कि इस संगठन पर पहले भी प्रतिबंध लग चुके हैं। आजादी के तुरंत बाद भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी इस पर प्रतिबंध लगाया था। यह संगठन न सिर्फ सांप्रदायिक जहर फैलाकर देश को बांटने का काम कर रहा है बल्कि आनंदू ने जैसा अपने सुसाइड नोट में लिखा है, घिनौने कृत्य में भी लिप्त है।

जनता को स्वदेशी चूरन थमा रहे

भाजपा सरकार जनता को स्वदेशी का चूरन दे रही है। भाजपा के लोग सिर्फ मुंह से स्वदेशी हैं, पर मन से विदेशी हैं। अमेरिका की तर्ज पर यहां भी सरकार चीन के माल पर टैरिफ क्यों नहीं लगा रही है। उन्होंने दोहराया कि कानपुर में आईपीएस अधिकारी अपराधियों को बचा रहे हैं। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी के खुदकुशी मामले में कहा कि इन सब घटनाओं से पीडीए समाज चिंतित है।

यूपी प्रदेश कांग्रेस ने मजबूत किया संगठन

» घोषित की प्रदेश पिछड़ा वर्ग की कार्यकारिणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस यूपी में अपने संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी क्रम में पार्टी ने पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। 197 सदस्यों वाली कार्यकारिणी में आबादी के हिसाब से विभिन्न जातियों को भागीदारी दी गई है।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष राय की संस्तुति के बाद कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इसमें संतोष यादव, संकल्प नंदन सहित 31 उपाध्यक्ष, जितेंद्र पटेल महासचिव संगठन बनाए गए हैं। इसी तरह 70 महासचिव और 95 सचिव बनाए गए हैं। कार्यकारिणी में जातीय गणित- कुर्मी -18,प्रजापति-13 नाई-10,पसमांदा-15,यादव-30, मौर्या/कुशवाह 1/सैनी/ शाक्य- 18,राजभर-7,पाल-14,निषाद-7,बनिया-5,विश्वकर्मा-6,लोधी/राजपूत-4,जाट+गुर्जर-10,बंजारा-1,चौहान-2, अन्य-11।

कल फतेहपुर जाएंगे राहुल गांधी, हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से करेंगे मुलाकात

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 अक्तूबर को फतेहपुर जाएंगे। वह रायबरेली में पिटाई से दम तोड़ने वाले हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मिलेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दिल्ली से कानपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां कार से फतेहपुर के लिए रवाना होंगे। वह सदर कोतवाली के तुराब अली का पुरवा निवासी हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस दलितों के मुद्दों को लेकर लगातार गंभीरता दिख रही है।

दलितों को जोड़ने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय प्रदेश में होने वाली दलित उत्पीड़न की हर घटना पर खुद मौके पर जा रहे हैं। रायबरेली में फतेहपुर निवासी हरिओम वाल्मीकि की जिस वक्त कुछ लोग पिटाई कर रहे थे, उसने राहुल गांधी का नाम लेते हुए गुहार लगाई थी। इसके बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल हरिओम वाल्मीकि के घर पहुंचा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और संसद राकेश राठौर परिजनों को आर्थिक मदद देने जा रहे थे। किंतु पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। अब राहुल गांधी खुद फतेहपुर जाकर हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मिलेंगे।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के विजन को धरातल पर उतारने की कोशिश : मनोज यादव

मनोज यादव ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के विजन को धरातल पर उतरने के लिए कार्यकारिणी में हर बिरादरी के लोगों को जगह दी है। विशेषकर अति पिछड़ी जातियों को सर्वाधिक भागीदारी देकर उनके सवालों और मुद्दों को कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक लड़ने का प्रयास करेगी। पार्टी की ओर से सरकारी नौकरियों को ठेके पर भर्ती करने के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। भागीदारी न्याय के संकल्प और श्रमशील जातियों के सम्मान और उनके अधिकार के लिए कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग विभाग के माध्यम से पूरे प्रदेश में जन आंदोलन चलाएगी।

दिल्ली में अब प्रदूषण को लेकर रोना मत : महुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई मंजूरी पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने इस कदम का स्वागत किया, जबकि लोगों के एक वर्ग ने शहरों में वायु गुणवत्ता पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई।

टीएमसी नेता का भाजपा पर तंज

पटाखों के ऑर्डर पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में सुझाव दिया कि लोगों को अब दिल्ली में वायु गुणवत्ता के बारे में शिकायत नहीं करनी चाहिए क्योंकि नागरिकों द्वारा चुनी गई सरकार ने वही किया जो वह चाहती थी - पटाखों की वापसी।

उन्होंने कहा कि आइए इस साल वायु गुणवत्ता के बारे में शिकायत करने में समय बर्बाद न करें। दिल्ली के लोग यही सरकार चाहते थे। सरकार चाहती थी कि पटाखे वापस आएँ। सबको वो मिला जो वो चाहते थे। प्लीज़, इस साल हवा की गुणवत्ता पर रोते हुए अपना समय बर्बाद न करें।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार चुनाव में एनडीए से बाहर निकले राजभर

» कहा- हम अमित शाह से मिले पर हमें एक सीट नहीं दी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीति एनडीए से किनारा कर लिया है। यूपी सरकार में शामिल होने के बाद भी बिहार के चुनाव में सुभासपा ने बुधवार को पहले चरण में 47 विधानसभा सीटों पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतार दिए हैं।

पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है और बृहस्पतिवार को दूसरी सूची भी जारी करने की तैयारी है।बता दें कि सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर बीते दो साल से बिहार चुनाव की तैयारी

कर रहे थे और लगातार रैली और जनसभा भी कर रहे थे। इसी आधार पर उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से बिहार में एक दर्जन से अधिक सीटों पर दावेदारी भी कर रखा था। लेकिन भाजपा ने हाल में ही बिहार चुनाव के लिए सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा किया है, इसमें सिर्फ बिहार की स्थानीय दलों को ही हिस्सेदारी दी गई है। वहीं, सुभासपा को एक भी सीट नहीं दिया गया है। काफी इंतजार के बाद राजभर ने बिहार में एनडीए से गठबंधन तोड़ते हुए अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

इसी कड़ी में सुभासपा अध्यक्ष ने 47 सीटों पर उम्मीदवार उतार कर गठबंधन में किनारा कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष का कहना है कि हमने तो पूरी कोशिश थी, लेकिन हमारी मांग पर किसी ने गौर नहीं किया। अंतत: हमें अकेले दम पर चुनाव लड़ने के फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र से आकर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की पार्टी अकेले चुनाव लड़ सकती है तो हम क्यों नहीं लड़ सकते। ओमप्रकाश ने कहा कि हमने बहुत समय तक प्रतीक्षा किया, लेकिन भाजपा की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया तब हमने प्रत्याशी उतारा है। उन्होंने कहा है कि हमने 153 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। हर सीटों पर हमारे समर्थक मतदाताओं की भारी संख्या है।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव में नया सियासी दांव

बीजेपी और नेकां में टक्कर

दो नामांकन रद्द, अब सात प्रत्याशी मैदान में

» कांग्रेस ने किया किनारा

» बाहर होने वालों में तेलंगाना और महाराष्ट्र के निर्दलीय उम्मीदवार शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में फिर सियासी मैदान सजने लगा है। अबकी बार चार राज्यसभा सीटों के लिए कुल नौ उम्मीदवारों ने दम दिखाने की तैयारी कर ली है। विधानसभा सचिवालय में निर्वाचन विभाग की निगरानी में नामांकन पत्रों की जांच की गई। करीब तीन बजे तक चली इस बैठक में दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द किए गए। बाहर होने वालों में तेलंगाना और महाराष्ट्र के निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। राज्यसभा में नामांकन पत्रों की छंटनी के बाद अब मैदान में सात प्रत्याशी रह गए हैं। इनमें चार नेशनल कॉन्फ्रेंस और तीन भाजपा के हैं।

चार राज्यसभा सीटों के लिए कुल नौ उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। करीब तीन बजे तक चली इस बैठक में दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द किए गए। बाहर होने वालों में तेलंगाना और महाराष्ट्र के निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना में तीन नामांकन दाखिल किए गए हैं। इनमें भाजपा के अली मोहम्मद मीर, नेकां के चौधरी मोहम्मद रमजान और निर्दलीय प्रभाकर दादा शामिल थे। इनमें से प्रभाकर दादा का नामांकन रद्द हो गया है। दूसरी अधिसूचना में भाजपा के राकेश महाजन और नेकां के सज्जाद अहमद किचलू ने नामांकन दाखिल किए हैं। इन दोनों के नामांकन स्वीकार हो गए हैं। तीसरी अधिसूचना में चार उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। इनमें भाजपा के सतपाल शर्मा, नेकां के इमरान नवी डार और गुरविंदर सिंह ओबरॉय के साथ ही निर्दलीय कांते सयाना का नाम शामिल था। निर्वाचन विभाग ने निर्दलीय प्रत्याशी कांते सयाना का नामांकन रद्द कर दिया है। अब तीसरी अधिसूचना के आधार पर तीन प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं। इनमें एक भाजपा और दो नेकां के हैं।

चौथी सीट के लिए जबरदस्त लड़ाई

जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा की 4 सीटें हैं और उन सभी के लिए 24 अक्टूबर को चुनाव होने हैं। नेशनल कांफ्रेंस ने सभी चार सीटों के लिए उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि बीजेपी ने तीन सीटों के लिए उम्मीदवार दिए हैं। 88 सीटों वाली जम्मू और कश्मीर विधानसभा में नेशनल कांफ्रेंस की अगुवाई वाले सत्ताधारी गठबंधन के 53 एमएलए हैं, वहीं विपक्षी बीजेपी के 28 विधायक हैं। इन 4 में से 3 सीटों पर नेशनल काफ्रेंस की जीत की संभावना है और 1 सीट के लिए बीजेपी पूरा जोर लगा रही है। ऐसे में अगर लोन की तरह कुछ और विपक्षी विधायकों ने मतदान से दूरी बना ली, तो बीजेपी की राह आसान हो सकती।

दो नामांकन कमियां पाए जाने पर किए रद्द

मनोज पंडित, निर्वाचन अधिकारी और सचिव विधानसभा ने बताया कि जांच के बाद सात प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए हैं जबकि दो नामांकन में कमियां पाए जाने के बाद उन्हें रद्द कर दिया गया है। चारों सीटों के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा।

मतदान 24 अक्टूबर को होगा

राज्यसभा की चारों सीटों पर मतदान 24 अक्टूबर को होगा। सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान की प्रक्रिया चलेगी और इसी दिन गणना के बाद परिणाम भी घोषित हो जाएंगे। सत्ताधारी दल नेशनल कॉन्फ्रेंस और मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा दोनों ने ही राज्यसभा में जीत का दावा किया है। सदन में नेकां के पास 41 विधायक हैं और भाजपा के 28 विधायक हैं। इसके अलावा कांग्रेस के छह, पीडीपी के तीन, आप, जेकेपीसी और माकपा के एक-एक विधायक सहित सात निर्दलीय विधायक हैं।

भाजपा इन चुनावों में इतिहास रचने जा रही : सत शर्मा

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा ने आगामी राज्यसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी इन चुनावों में इतिहास रचने जा रही है। एशर्मा ने कहा कि भाजपा के तीनों उम्मीदवार आज अपना नामांकन दाखिल करने जा रहे हैं। जम्मू के सभी विधायक यहाँ पहुंच चुके हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी आ रहे हैं सभी कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। कश्मीर के कार्यकर्ताओं और नेताओं में जो उत्साह मैं देख रहा हूँ, उससे पता चलता है कि भाजपा इन चुनावों में इतिहास रचने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया है।

किस स्थिति में जीत सकती है बीजेपी?

लोन अपनी पार्टी के एकमात्र एमएलए हैं और उन्होंने मतदान में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा कर दी है। इनके अलावा अब सबकी नजरें पीडीपी के 3, अवामी इत्तेहाद पार्टी के एक, आम आदमी पार्टी के एक (अभी जेल में बंद हैं) और एक निर्दलीय विधायक पर टिकी हैं। विधानसभा के गणित के हिसाब से अगर इनमें से दो और विधायक भी मतदान से दूर रहे तो चौथी सीट पर निश्चित रूप से बीजेपी की जीत हो सकती है। लेकिन, अगर सबने नेशनल कांफ्रेंस को वोट दिया तो उसके चौथे प्रत्याशी इमरान नबी डार की जीत सकते हैं। बता दें कि इस चुनाव में पार्टियां व्हिप जारी नहीं कर सकतीं।

कांग्रेस मैदान से पीछे हट गई

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस चाहती थी कि उसे ऐसी सीट मिले, जिसपर जीत सुनिश्चित हो, लेकिन जब उसकी बात नहीं मानी गई तो वह मैदान से पीछे हट गई। सज्जाद लोन ने उमर अब्दुल्ला को चुनौती दी है कि वह साबित करें कि उनकी पार्टी ने कांग्रेस को बीजेपी के कहने पर राज्यसभा की सीट देने से मना नहीं किया है। लोन ने कहा, उमर दिल्ली गए और दिल्ली मैराथन में हिस्सा लिया। उस समय मैंने अपने सहयोगियों को बताया कि नेशनल कांफ्रेंस अपनी सहयोगी कांग्रेस को कोई राज्यसभा सीट नहीं देगी। बीजेपी के लिए इससे अच्छी खबर क्या होगी कि नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस को राज्यसभा सीट देने से मना कर दिया?

सज्जाद गनी लोन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर बरसे

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पार्टी के अकेले एमएलए सज्जाद गनी लोन ने एलान किया है कि वह केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव में वोटिंग से गैर-हाजिर रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चुनाव में बीजेपी के इशारे पर कांग्रेस के लिए सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। सज्जाद लोन की पार्टी पहले बीजेपी के साथ रह चुकी है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने नेशनल कांफ्रेंस नेता और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर सहयोगी कांग्रेस को राज्यसभा की एक सेफ सीट पर लड़ने का मौका नहीं देने का आरोप लगाया है। श्रीनगर में एक प्रेस कांफ्रेंस में लोन ने दावा किया कि नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस को अनसेफ सीट (सीट नंबर-4) का ऑफर दिया था, जिसपर चुनाव लड़ने से कांग्रेस ने मना कर दिया।

मर जाऊंगा, लेकिन एनसी को वोट नहीं

लोन का कहना है कि उनके कांग्रेस के साथ भले ही मतभेद रहे हों, लेकिन यह एकमात्र पार्टी है, जो बीजेपी के साथ नहीं जुड़ी है। उनका कहना है, मैं बीजेपी के साथ जुड़ा था। पीडीपी भी बीजेपी के साथ जुड़ी थी। उमर अब्दुल्ला बीजेपी सरकार में मंत्री थे। कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जो बीजेपी के साथ नहीं जुड़ी। उन्होंने ये भी कहा है कि वह किसी भी सूरत में नेशनल कांफ्रेंस को वोट नहीं दे सकते। उनके मुताबिक, मैं मर जाऊंगा, लेकिन नेशनल कांफ्रेंस को कभी वोट नहीं दूंगा। मैं कांग्रेस या किसी भी अन्य सेकुलर पार्टी को वोट देता, अगर उन्होंने उम्मीदवार दिए होते। मैं अगर नेशनल कांफ्रेंस को वोट दूंगा, तो अपने कार्यकर्ताओं का सामना कैसे करूंगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चुनावों में महिलाओं की भूमिका अहम

अब चुनाव परिणम ही बता पाएंगे कि किसका वादा महिलाएं स्वीकार करती हैं। महिलाओं की मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है।

चुनावों में महिलाओं की भूमिका अहम होती है। किसी भी पार्टी की सरकार हो वह अपने बजट एक अच्छा खासा भाग उनके ऊपर खर्च करता है। फिलहाल बिहार में चुनाव है। वहां की एनडीए सरकार ने भी महिलाओं को अपने ओर रखने के लिए फ्री बीज का ऐलान किया है। विपक्ष ने भी कुछ वैसे ही वादे किए हैं। अब चुनाव परिणम ही बता पाएंगे कि किसका वादा महिलाएं स्वीकार करती हैं। महिलाओं की मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है। बिहार में इस बार 14 लाख ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। विधानसभावार आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हर विधानसभा में पहली बार वोट डालने वालों की संख्या औसतन 5761 होती है। विधानसभा में जीत-हार का आंकड़ा बेहद नजदीकी होता है। जाहिर है कि इन नए मतदाताओं पर भी जीत-हार का आंकड़ा निर्भर होगा। यही वजह है कि विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव बार-बार युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं।

इतना ही नहीं, वे अपनी सरकार बनने की हालत में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने का दावा भी कर रहे हैं। पलायन भी ऐसा मुद्दा है, जो युवाओं के मर्म को छूता है। यही वजह है कि इसे विपक्षी खेमे की ओर से मुद्दा बनाने की जबरदस्त कोशिश हो रही है। बिहार में रोजगार की कमी के चलते यहां के लोग महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का रुख करने को मजबूर हैं। प्रशांत किशोर मतदान में युवाओं की ताकत को समझते हैं, शायद यही वजह है कि वे बार-बार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। यह बात और है कि बिहार की राजनीति भी दबी जुबान से ही सही, इन मुद्दों के साथ खड़ी होने की तैयारी में है। चुनाव आयोग ने बिहार से ही अपने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआइआर की शुरुआत की है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष इस पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहा है। वोट चोरी की धारणा को इस अभियान के बहाने राहुल गांधी ने नया रुख दिया है। विपक्षी खेमे की कोशिश है कि इस मसले को जिंदा रखा जाए। उसे लगता है कि एक बार इसे छोड़ दिया गया तो वोट चोरी की धारणा ही धीरे-धीरे सवालों के घेरे में आती जाएगी। इसलिए विपक्षी खेमे की कोशिश है कि एसआइआर को बेकार बताकर इस पर सवालिया निशान खड़े करना है। विपक्ष की कोशिश महिलाओं के सम्मान के बहाने नीतीश सरकार को घेरते हुए लोगों का समर्थन हासिल करने की है। जबकि सत्ता पक्ष इसे विपक्ष का दुष्प्रचार बताकर उसे किनारे रखने के प्रयास में जुटा हुआ है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तालिबानी बंदिशों के बीच सिसकती स्त्री अस्मिता

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत यात्रा पर आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, मगर उसमें महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। जब इस बात की आलोचना हुई तो उन्होंने एक बचकाना बहाना बनाया कि एंट्री पास की कमी के कारण ऐसा किया गया। खैर, बाद में एक दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई, जिसमें महिला पत्रकारों को बुलाया गया। उन्होंने परेशान करने वाले सवाल भी पूछे। इसे महिला पत्रकारों की कामयाबी ही कहा जाएगा कि वे अपने इस प्रयास में सफल हुईं कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां स्त्री-पुरुष में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। जब से तालिबान दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं।

वहां का महिला कल्याण मंत्रालय खत्म कर दिया गया है। कोई महिला या बच्ची अगर बिना मुंह ढके दिखे, तो उसे कठोर दंड भी दिया जा सकता है। वे न पढ़ सकती हैं, न लिख सकती हैं। छठी कक्षा से आगे वे पढ़ नहीं सकतीं। पुरुष अध्यापक उन्हें पढ़ा नहीं सकते। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है, जहां स्त्रियों के पढ़ने पर प्रतिबंध है। वे विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकतीं। एक बार मार्च, 2022 में लड़कियों के स्कूल को तालिबानों ने खोला था, लेकिन खोलने के कुछ घंटों बाद ही बंद कर दिया गया। लड़कियां किसी कैम्पस में न वीडियो बना सकती हैं, न अपने फोटो खींच सकती हैं। तालिबानों के सत्ता में आने से पहले अफगानिस्तान में सत्ताईस प्रतिशत स्त्रियां नौकरी करती थीं। लेकिन अब उनका भविष्य अंधकारमय है। यही नहीं, कई प्रांतों में दुकानदारों को आदेश दिए गए हैं कि यदि कोई स्त्री बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ आए, तो उसे सामान न दिया जाए। वे किसी जिम में भी बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के नहीं जा सकतीं। नौ साल की उम्र में लड़कियों की शादी जायज है। वे कृषि, सिविल इंजीनियरिंग, पत्रकारिता आदि नहीं पढ़ सकतीं क्योंकि नेताओं के अनुसार ये विषय महिलाओं के लिए बहुत कठिन हैं। महिलाएं किसी टीवी प्रोग्राम में भाग नहीं ले सकतीं।

वे न किसी फिल्म में काम कर सकती हैं। बहुत से संस्थानों में उनके नौकरी करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। महिलाएं खिड़की से बाहर न झांकें, इसलिए यदि उनके घर में ऐसी खिड़कियां हैं, तो उन्हें बंद करना पड़ा है। महिलाओं को चेहरा ढकना तो अनिवार्य है ही। कारण कि महिलाओं

को देखकर पुरुष लालायित न हों। कमाल है न, यदि कोई पुरुष किसी महिला को वासना भरी नजरों से देख रहा है, तो उसमें भी पुरुष का नहीं महिला का ही दोष हुआ। उनका इलाज भी सिर्फ महिला डाक्टर ही कर सकती हैं। कोई बताए कि जब महिलाएं पढ़ेंगी-लिखेंगी ही नहीं, तो डाक्टर कैसे बनेंगी। महिला डाक्टर नहीं होंगी, तो महिलाओं को इलाज भी नहीं मिलेगा। वे मरती हैं, तो मरती रहें। वे किसी पुरुष रिश्तेदार के बिना कहीं जा-आ नहीं सकतीं। यही नहीं, यह आदेश भी है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, वे घर से बाहर न निकलें। उन्हें जोर से बोलना नहीं है। हंसना भी नहीं है। किसी पुरुष को उनकी हंसी सुनाई नहीं देनी चाहिए। वे संगीत भी नहीं सुन सकतीं। गा भी नहीं सकतीं। पिछले दिनों अफगानिस्तान में कुछ महिलाएं मलबे के नीचे दबी हुई थीं। बचाव दल वहां पहुंचा भी। लेकिन महिलाओं को नहीं बचाया गया, क्योंकि पुरुष महिलाओं को नहीं छू सकते थे। आखिर ये कैसी सोच है। लेकिन कोई करे भी तो क्या। विरोध के स्वर अपनों के ही बीच से निकलते हैं। बाहर का कोई किसी समाज को नहीं बदल सकता। रूस और अमेरिका ने ऐसा करके देख लिया है। उन्हें वहां से भागना ही पड़ा। एक तरफ सऊदी अरब में महिलाओं को बहुत-सी बातों से मुक्ति दी जा रही है। जबकि सऊदी अरब में भी महिलाओं के लिए बहुत से कठोर कानून रहे हैं। लेकिन अफगानिस्तान में स्त्रियों का कोई मददगार नहीं। अधिकांश अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भी चुप्पी साध रखी है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने जरूर एक बार बयान दिया था। जो लोग ब्यूटी पेजेंटस को ही असली स्त्री अधिकार समझते हैं, उन्हें ध्यान देना चाहिए कि धरती के इसी भाग में महिलाएं कितनी मुसीबतों का सामना कर रही हैं। उनके लिए बोलने वाला कोई नहीं है। भारत में जरूर एक महिला पत्रकार ने साहस के साथ तालिबानी मंत्री से इस बारे में सवाल पूछा।

जो साधन-सम्पन्न स्त्रियां थीं, वे अफगानिस्तान से पहले ही जा चुकी हैं। हमेशा ऐसा ही तो होता है। साधन-सम्पन्न हर मुसीबत से बचने की राह खोज लेते हैं। अब वहां वे स्त्रियां रह गई हैं, जो सरकार के रहमोकरम पर ही जिंदा रह सकती हैं। रहमोकरम भी कैसा, जहां लगभग सांस लेने पर भी बंदिश है। स्त्रियां जाएं तो जाएं कहां। दरअसल, इन दिनों देशों को अपने व्यापारिक हित पहले नजर आते हैं, स्त्रियों के मानवाधिकार बाद में। तभी तो बहुत से ऐसे देश जो साम्यवादी विचार की वकालत करते हैं।

बाघ का अस्तित्व बचाने को शिकारियों पर लगे अंकुश

ज्ञानेंद्र रावत

देश में जिस तरह बाघ संरक्षण अभियान ने विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके रॉयल बंगाल टाइगर यानी राष्ट्रीय पशु बाघ का अस्तित्व बचाने में कामयाबी पाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। देश में बाघों की तादाद में बढ़ोतरी उसी अभियान का परिणाम है। इसकी सफलता में बाघ संरक्षण प्रयासों में तेजी, उनके शिकार में कमी और उनके पुनर्वास जैसे कारकों की अहम भूमिका रही है। इनमें अभयारण्यों की स्थापना, प्रबंधन में सुधार, बेहतर गश्त और वन्यजीव अपराधों के खिलाफ कड़े कानूनों के क्रियान्वयन का भी योगदान सराहनीय रहा। परिणामस्वरूप शिकारियों पर लगाम लगाने में सफलता मिली और अब बाघों की तादाद 3682 तक जा पहुंची है। वियतनाम और लाओस जैसे देशों में बाघ विलुप्ति के कगार पर हैं। गौरतलब है कि जिस तेजी से देश में बाघों की तादाद में बढ़ोतरी हुई है, उसी तेजी के साथ इनके शिकार में भी वृद्धि हो रही है।

हकीकत यह कि बाघों के शिकार में जारी बढ़ोतरी और आपसी संघर्ष के चलते हो रही उनकी मौतों से जहां बाघों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है, वहीं वन्यजीव शिकारियों और तस्करों की कारगुजारियों ने बाघ संरक्षण के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिया। आखिर इनके शिकारियों के बढ़ते हौसलों पर अंकुश कब लगेगा? गौरतलब है कि वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में देश में पिछले वर्ष की तुलना में बाघों के शिकार के मामलों में 57.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बाघ संरक्षण के प्रयासों के लिए खतरे की घंटी है। यदि 2021 से 2024 के बीच के चार वर्षों का जायजा लें तो इस दौरान 586 बाघों की मौत हुई। वर्ष 2025 के बीते नौ महीनों में यह आंकड़ा लगभग 169 को पार कर गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण अथॉरिटी (एनटीसीए) की मानें तो इस वर्ष 2025 में 169 मौतों में बाघों के मुकाबले बाघिनों की ज्यादा मौतें हुईं। पैंतालिस बाघिनों की अलग-अलग वजहों से मौत हुई जबकि 40 बाघों की मौत हुई। 25 शावक और 15 युवा बाघ भी मारे गए, जबकि 45 वयस्क बाघों ने भी अपनी जान गंवाई।

देखा जाए तो अधिकांश बाघों की मौत आपसी संघर्ष, सड़क हादसे या प्राकृतिक रूप से उम्र पूरी होने के चलते हुई । वहीं शिकार और अंगों की तस्करी के लिए भी बाघों की मौत के मामलों में गंभीर रूप से हुई बढ़ोतरी नकारी नहीं जा सकती। आंकड़े गवाह हैं कि बाघों की मौत के मामले में टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त देश का मध्य प्रदेश राज्य शीर्ष पर है। यहां देश में सर्वाधिक 785 बाघ हैं। इसी राज्य में अब तक सबसे ज्यादा 40 बाघ, बाघिन और शावक अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और फिर कर्नाटक का नंबर आता है। महाराष्ट्र में 28 और कर्नाटक में 15 बाघों ने अपनी जान गंवाई है। उत्तराखंड में 8 और उत्तर प्रदेश में 3 बाघों ने अपनी जान गंवाई है। मध्य प्रदेश में हुई बाघों की मौत के संदर्भ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक का कहना है कि इसकी मुख्य वजह शिकार है। इनमें 5-8 साल के बाघ और 9 बाघिनें शामिल हैं, जो निगरानी तंत्र की नाकामी का जीता-जागता सबूत है। हमारे यहां 58 बाघ अभयारण्य हैं, जिनमें सबसे नया माधव बाघ अभयारण्य है।

हकीकत यह है कि बाघों की सर्वाधिक 50 प्रतिशत मौतें संरक्षित रिजर्व क्षेत्रों में ही हुई हैं, जबकि 42 प्रतिशत बाघों ने रिजर्व क्षेत्र के बाहर जान गंवाई। आठ प्रतिशत बाघों की मौत कहां हुई, इसका पता नहीं लग सका है। दरअसल, बाघों के अस्तित्व के लिए उनका शिकार सबसे बड़ा खतरा है। इसके पीछे उनकी खाल, हड्डियां, दांत, पंजों व उनके दूसरे अंगों की दुनिया के बाजार में बढ़ती मांग है, जो वन्यजीव तस्करों के लिए मुनाफे का धंधा है। बाघों के शरीर का हर अंग-मूंछ से लेकर पूंछ तक-अवैध वन्यजीव अंगों के बाजार में पाया जाता है। बाघ के शरीर के अंग खासकर पारंपरिक तथा यौनवर्धक दवाओं के निर्माण में उपयोग में लाए जाते हैं। चीन व कोरिया बाघों के अंगों से बनाई जाने वाली दवाओं के मुख्य कारोबारी देश हैं। सूत्रों के मुताबिक शिकार के बाद बाघ के अंग देश से बाहर नेपाल और सीमावर्ती इलाकों के जरिये चीन, कोरिया समेत दूसरे देशों को पहुंचाए जाते हैं। बाघों की तादाद में कमी की बड़ी वजह शहरीकरण और मानव बस्तियों के निर्माण हेतु जंगलों व उनके प्राकृतिक आवासों का खात्मा है। वहीं बाघों के भोजन जैसे हिरण और सुअरों की संख्या में दिनोंदिन आ रही कमी की भी उनके अस्तित्व के खतरे में अहम भूमिका है।

विशेषज्ञों की चिंता की उतनी बड़ी वजह बाघों की प्राकृतिक मौतें नहीं हैं, क्योंकि आबादी में बढ़ोतरी के साथ-साथ उनकी मौतों में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। लेकिन उनके शिकार में वृद्धि खतरनाक संकेत है। वजह है बाघ अंगों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़ना। वास्तव में ऐसे इलाके, जहां समुदाय जीविकोपार्जन के लिए जंगलों पर निर्भर हैं, वहां मानव-वन्यजीव संघर्ष होते रहने से बाघों के खत्म होने का खतरा हमेशा बना रहेगा। इसलिए संरक्षण को आजीविका के बेहतर साधनों के साथ संतुलित करना जरूरी है। बाघ बड़ी प्रजाति के तौर पर पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र की सेहत के लिए अहम है। गौरतलब है कि बाघों के आवास और एशियाई हाथियों के 59 प्रतिशत व तेंदुओं के 62 प्रतिशत आवास काफी हद तक आपस में मिले-जुले हैं। इसलिए बाघ संरक्षण जैव विविधता के संरक्षण के लिए भी आवश्यक है। इसे बनाए रखने के लिए संरक्षण नीतियों, उनके आवासों की सुरक्षा और स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक प्रोत्साहन में निवेश तथा शिकारियों पर कड़े अंकुश की आवश्यकता है।

धनतेरस

इस दिन की जाती है कुबेर जी की पूजा

धनतेरस के दिन धन्वंतरि मां लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी करना शुभ माना जाता है।

ये चीजें खरीदें

सोना-चांदी के आभूषण, झाड़ू, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, धनिये के बीज, चांदी के सिक्के।

त्योहार का सीजन आ चुका है। 18 अक्तूबर से दीपोत्सव शुरू हो रही है, जो कि पांच दिन का पर्व है। जिसमें धनतेरस, छोटी दिवाली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज मनाया जाता है। इस बार धनतेरस का पर्व 18 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। धनतेरस के दिन धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर जी की पूजा की जाती है। इस दिन खरीदारी करने का रिवाज है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन नई चीजों को खरीदना शुभ होता है। लोग इस अवसर पर सोने, चांदी और बर्तनों से लेकर वाहनों की खरीदारी करते हैं। हालांकि धनतेरस पर कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिनकी खरीदारी इस मौके पर भूल से भी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धनतेरस पर कुछ चीजों को खरीदना अशुभ होता है। धनतेरस में खरीदारी की लिस्ट तैयार करने से पहले इन चीजों का ध्यान रखना जरूरी है।

लक्ष्मी-गणेश खरीदते वक्त रखें ये ध्यान

अधिकतर जगहों पर दिवाली के मौके पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। दिवाली में लक्ष्मी पूजन के लिए दो दिन पहले धनतेरस तिथि को भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति घर लाई जाती है। धनतेरस पर खरीदारी का विशेष महत्व है। हालांकि अक्सर लोग अज्ञानता व त्रुटिवश भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय कुछ गलतियां कर देते हैं। वह ऐसी मूर्तियां घर ले आते हैं, जिनकी पूजा करना शुभ नहीं माना जाता है। तो गणेश लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

आशीर्वाद देते हुए लें माता लक्ष्मी की मूर्ति

इस बात का ध्यान रखें कि मां लक्ष्मी की मूर्ति कमल के फूल पर विराजमान हो। उनके एक हाथ में कमलल हो और दूसरे हाथ से आशीर्वाद दे रही हों। इसके अलावा धन की मटकी भी हो सकती है। माता की प्रतिमा का रंग गुलाबी होगा तो बेहतर रहेगा।

मिट्टी की मूर्तियां लें

मूर्ति मिट्टी की बनी होनी चाहिए। मिट्टी की मूर्ति को शुभ माना जाता है। आजकल बाजार में सीमेंट या पीओपी से बनी मूर्तियां भी बिकती हैं। ऐसी मूर्तियां भूल से भी घर न लाएं।

विश्राम मुद्रा में हो भगवान

भगवान की मूर्ति खरीदते वक्त ये याद रखें कि माता लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति बैठी हुई मुद्रा में होनी चाहिए। खड़े मुद्रा में भगवान की मूर्ति घर न लाएं।

उल्लू पर सवार लक्ष्मी की मूर्ति न लाएं

मूर्ति खरीदते समय ये सुनिश्चित कर लें कि अगर मां लक्ष्मी उल्लू पर सवार हों, तो ऐसी प्रतिमा खरीदकर न लाएं। ध्यान रखें कि लक्ष्मी गणेश की मूर्ति का रंग काला या सफेद न हो।

जुड़ी न हों मूर्तियां

भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि भले ही दिवाली के मौके पर उनकी पूजा एक साथ होती है, लेकिन मां लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति एक साथ जुड़ी न हो। बल्कि गणेश जी की मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें कि उनकी सूंड बाई तरफ हो।

घर न लाएं नुकीली चीजें

धनतेरस के पावन मौके पर सोने-चांदी की चीजें खरीद सकते हैं लेकिन नुकीली और धारदार चीजें न खरीदें। घर पर चाकू, पिन, सुई जैसी नुकीली और धारदार चीजों को खरीदने से बचना चाहिए। धनतेरस पर नुकीली चीजें घर लाना अशुभ माना जाता है।

लोहे की वस्तुएं न खरीदें

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, लोहे को शनिदेव का कारण माना जाता है। धनतेरस के दिन खरीदारी के लिए निकलें तो लोहे की चीजों को खरीदकर घर न ले आएं। कहते हैं कि धनतेरस के दिन लोहे की चीजें खरीदने से धन कुबेर की कृपा नहीं होती है।

एल्युमिनियम का सामान न खरीदें

धनतेरस के मौके पर एल्युमिनियम से बने सामान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। इस दिन धातु से बने सामान को घर लाने से बचें। मान्यता है कि धातु दुर्भाग्य का सूचक है।

स्टील से बनी चीजों को खरीदने से बचें

धनतेरस के दिन अधिकतर लोग स्टील के बर्तन घर लेकर आते हैं। लेकिन स्टील एक शुद्ध धातु नहीं है। स्टील पर राहु का प्रभाव ज्यादा रहता है। ऐसे में स्टील से बना सामान न खरीदें।

हंसना मना है

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थीं, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

तुमसे ही करूंगा.... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं.....

बंटी- वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर- सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं।

लड़की ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई, दूसरे दिन गर्लफ्रेंड - मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो

संजू- पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

कहानी — लाल मोर

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय को पशु-पक्षियों के साथ-साथ अद्भुत और अनोखी चीजों का भी बहुत शौक था। इसलिए सभी महाराज को खुश करना चाहते थे, बल्कि उपहार और पैसे भी चाहते थे। एक बार एक दरबारी एक अनोखा लाल रंग का मोर रंगाई करने वाले से रंगवा कर लेकर आया। वह दरबारी बोला, 'महाराज मैंने यह अनोखा मोर मध्य प्रदेश के घने जंगलों से मंगवाया है।' महाराज ने भी उस मोर को देखा और वो आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने बोला कि लाल मोर, यह तो सच में बहुत अद्भुत है और यह शायद ही कहीं मिल पाएगा। अच्छा, अब यह बताओ कि इसे मंगाने में तुम्हारे कितने पैसे खर्च हुए?' दरबारी अपनी बढ़ाई सुनकर काफी खुश हुआ और बोला कि महाराज आपके लिए यह अनोखा मोर ढूंढने के लिए मैंने अपने दो सेवकों को लगाया था। वो दोनों पूरे देश की यात्रा पर निकले हुए थे। कई सालों तक इस अद्भुत चीज को ढूंढते रहे। सालों की खोज के बाद अब जाकर इन्हें यह लाल रंग का मोर मिला है। इन सब में मेरे करीब 25 हजार रुपये खर्च हुए हैं।' यह सुनने के बाद राजा ने तुरंत कहा कि दरबारी को 25 हजार रुपये दे दिए जाएं।' राजा ने यह भी कहा कि इसके अलावा, एक हफ्ते बाद आपको पुरस्कार भी दिया जाएगा।' दरबारी खुश हो गया और तेनाली की तरफ देखकर मुस्कुराने लगा। तेनाली यह जानता था कि लाल रंग का मोर कहीं भी नहीं पाया जाता है। उसके अगले ही दिन तेनाली ने उस रंगाई करने वाले व्यक्ति को ढूंढ निकाला, जिसने मोर को लाल रंग से रंगा था। तेनाली उसके पास चार और मोर लेकर गया और उसे रंगवाकर दरबार में ले आया। उसने दरबार में कहा कि महाराज, हमारे दरबारी दोस्त पच्चीस हजार में बस एक ही मोर लेकर आए थे, लेकिन मैं पचास हजार में उससे भी सुंदर चार मोर लेकर आया हूं।' राजा उन मोर को देखकर आकर्षित हो गए, क्योंकि वो मोर सच में काफी सुंदर और सुर्ख लाल थे। राजा ने तेनाली को पच्चास हजार रूपये देने का आदेश दिया। यह सुनते ही तेनाली ने दरबार में बैठे एक आदमी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इस इनाम का हकदार मैं नहीं बल्कि यह कलाकार है। इसी कलाकार ने नीले मोर को लाल रंग में बदला है। यह सुनते ही महराज सबकुछ समझ गए कि दरबारी ने उन्हें ठगने की कोशिश की है। राजा ने तुरंत दरबारी को दिए गए पच्चीस हजार लौटाने का आदेश दिया और साथ ही पांच हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही उसने कलाकार को पुरस्कार भी दिया।

7 अंतर खोजें

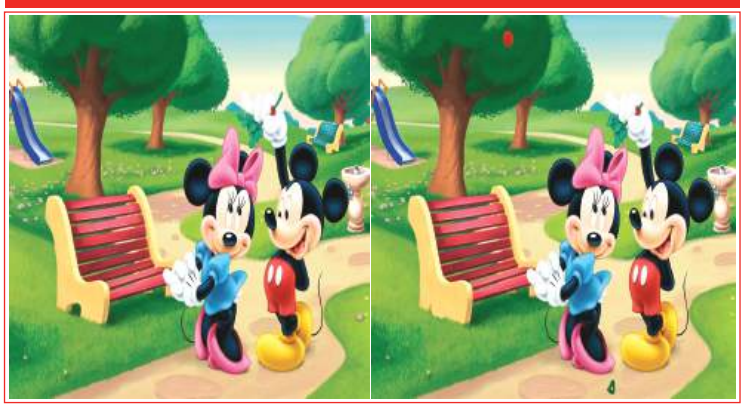

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें।

वृषभ

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी।

कन्या

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु

भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश हो सकता है।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कुम्भ

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी।

मीन

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अज्ञात भय रहेगा।

अब 'मेगा 158' में चिरंजीवी संग रोमांस करेंगी मालविका मोहनन!

टॉलीवुड | मसाला

तेलुगु सिनेमा की दुनिया से बड़ी खबर सामने आ रही है। जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आने वाली साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आ सकती हैं। यह खबर सुनते ही फैंस के बीच इसे लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक बॉबी कोली की अगली फिल्म 'मेगा 158' में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दो हीरोइनों को कास्ट किया जा रहा है, जिनमें से एक के लिए मालविका मोहनन का नाम चर्चा में है। अगर सब कुछ तय हुआ, तो 'द राजा साब' के बाद यह मालविका की दूसरी तेलुगु फिल्म होगी, जो उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

केरल से ताल्लुक रखने वाली मालविका मोहनन प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर के.यू. मोहनन की बेटी हैं। उन्होंने साल 2013 में मलयालम फिल्म 'पट्टम पोल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल, हिंदी और मलयालम सिनेमा में कई अहम किरदार निभाए।

उनकी पहचान 'मास्टर' (विजय के साथ), 'पेट्टा' (रजनीकांत के साथ), 'मारन' (धनुष के साथ) और 'थंगालान' (विक्रम के साथ) जैसी फिल्मों से और मजबूत हुई। अब तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखते हुए मालविका अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

मालविका मोहनन अपने ग्लैमरस अंदाज और सोशल मीडिया एक्टिविटी को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। 'द राजा साब' के टीजर में उनका बोल्ड और कॉन्फिडेंट लुक फैंस को खूब पसंद आया था। अब खबर है कि उन्हें 'मेगा 158' जैसी मेगा फिल्म में जगह मिलने की संभावना है।

बॉलीवुड | मन की बात

युवा दिनों में आर्थिक तंगी की वजह से मैंने साड़ी भी बेचा : विजय राज

कौआ बिरयानी कहते ही बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार विजय राज का चेहरा अपने आप सामने आ जाता है। एक ऐसा साइड एक्टर, जो रन फिल्म में लीड हीरो पर भारी पड़ गए थे। अपने एक स्पेशल इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि युवा दिनों में इस कदर खाने से लेकर आर्थिक दिक्कतें थीं कि उन्हें साड़ी की दुकान तक में काम करना पड़ा था। विजय राज को फिल्मों में आए करीब तीन दशक गुजर गए। एक्टर ने 2019 में वेब की खोज शुरू की। फिलहाल वो अमेजन एमएक्स प्लेयर के शो जमनापार सीज़न 2 में अहम भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। हाल ही में, वेब सीरीज के प्रमोशन के दौरान, विजय ने स्क्रीन के साथ एक खास बातचीत की और बताया कि एक्टिंग का उनकी लाइफ से कहीं कोई कनेक्शन नहीं था। उन्होंने बताया कि बचपन में कई तरह के छोटे-मोटे काम करते थे। इसी के साथ उन्होंने परीक्षाओं में फेल होने वाला किस्सा भी सुनाया। विजय ने इस बातचीत में बताया कि दिल्ली के ईवनिंग डीएवी कॉलेज में जब वो पढ़ाई कर रहे थे तब वो 19 साल के थे और तभी उन्होंने पहली बार थिएटर के बारे में जाना। उन्होंने बताया कि ये सब अचानक हुआ था। एक्टर ने कहा, मैं कभी इस प्रोफेशन में नहीं आना चाहता था। जिंदगी चल रही थी, मैं एक अकाउंटेंट की नौकरी कर रहा था और साथ में एक ईवनिंग कॉलेज में पढ़ भी रहा था। अचानक मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हुई जो थिएटर करते थे और मैंने पहली बार यह शब्द सुना। शुरुआत में, मेरे परिवार को लगा कि मैं बिजी हूं और इसलिए वे खुश थे। जब उन्हें पता चला कि मैं हमेशा के लिए यही काम करूंगा, तो ये एक प्रॉब्लम बन गई। मेरे पिता एक सरकारी कर्मचारी थे। उस समय, सरकारी नौकरियों को केवल सम्मानजनक माना जाता था। अगर आपको चपरासी भी नियुक्त कर दिया जाता, तो सरकार आपके मरने तक आपका ख्याल रखती। मेरे पिता भी मुझसे यही उम्मीद करते थे। थिएटर को लेकर उनमें ऐसा जुनून हो गया कि वो अपनी ग्रैजुएशन के आखिरी वर्ष की परीक्षा में फेल हो गए।

बचपन में ही पंकज ने देखा 'कर्ण' सा संघर्ष, आर्थिक तंगी से गुजरा परिवार

स्मृति शेष...

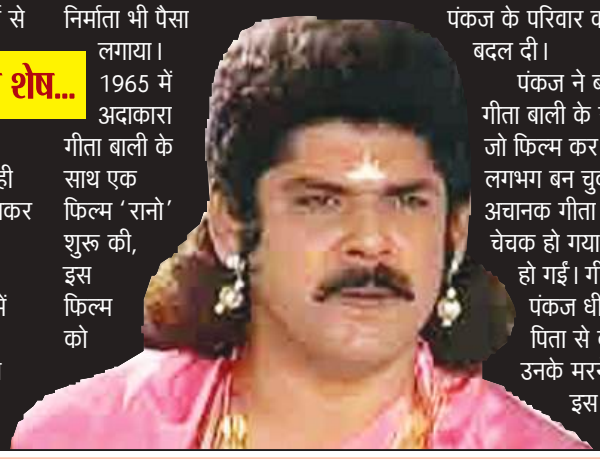

सीरियल 'महाभारत' में पंकज धीर ने कर्ण का किरदार किया था। कर्ण का जीवन 'महाभारत' में हमेशा संघर्ष से भरा रहा। पंकज धीर की शुरुआती जिंदगी भी संघर्ष से भरी रही। परिवार की आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए उन्होंने कम उम्र में ही काम करना शुरू किया। आगे चलकर वह टीवी सीरियल और फिल्मों के चर्चित अभिनेता बने।

लेहरेन रेट्रो को दिए इंटरव्यू में पंकज धीर ने बताया था कि उनके पिता सीएल धीर 1941 में फिल्मी दुनिया का हिस्सा बने। कई साल वो शांताराम के अस्सिटेंट के तौर पर उन्होंने काम किया। फिर कई हिट फिल्मों का निर्देशन किया, बतौर निर्माता भी पैसा लगाया। 1965 में अदाकारा गीता बाली के साथ एक फिल्म 'रानो' शुरू की, इस फिल्म को गीता बाली और पंकज धीर के पिता ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। फिल्म में हीरो धर्मेंद्र थे। इसी फिल्म ने ही पंकज के परिवार की किस्मत बदल दी।

पंकज ने बताया था कि गीता बाली के साथ पिता जो फिल्म कर रहे थे, वह लगभग बन चुकी थी। अचानक गीता बाली को चेचक हो गया। वह बीमार हो गईं। गीता बाली ने पंकज धीर के निर्माता पिता से कहा कि उनके मरने के बाद वह इस फिल्म को छोड़ देंगे। यही हुआ, गीता बाली का निधन हो गया और पंकज के पिता ने फिल्म नहीं बनाई। जबकि बाद में दिलीप कुमार और मीना कुमारी ने पंकज धीर के पिता को समझाया था। दिलीप साहब ने कहा कि फिल्म को मीना कुमारी के साथ पूरा कर लें। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। फिल्म रिलीज नहीं हुई, जिस वजह से पंकज धीर के पिता को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। परिवार बहुत मुश्किल वक्त से गुजरा। यही कारण है कि पंकज ने किशोरावस्था में ही काम करना शुरू कर दिया था। वह काम करके अपने परिवार की मदद करना चाहते थे।

इस देश में शुरू हुआ अजीब ट्रेंड, मृतकों की कब्रों पर युवा चढ़ा रहे शराब, चाकलेट और पेनकिलर

हमारे देश में जब कोई महान व्यक्ति मरता है तो उसकी कब्र या समाधि स्थल पर जाकर लोग फूल चढ़ाते हैं, उन्हें याद करते हैं। मगर एक देश में तो अजीबोगरीब घटना देखने को मिल रही है। यहां पर लोग ऐतिहासिक नायकों की कब्रों पर जाकर चॉकलेट चढ़ा रहे हैं या पेन किलर भेंट कर रहे हैं। चीन में इन दिनों युवाओं के बीच एक अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है- ऐतिहासिक हस्तियों की कब्रों पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देना और उनकी जीवनशैली से प्रेरित भेंट चढ़ाना। कोई कवियों के लिए शराब लेकर जाता है, तो कोई सेनापतियों के लिए दर्द निवारक दवाएं और चॉकलेट रखता है। इस चलन ने न केवल सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, बल्कि इतिहास को लेकर एक नई बहस भी छेड़ दी है कि क्या इस तरह की गतिविधियां सांस्कृतिक विरासत को संजो रही हैं या उसका हल्का मज़ाक बना रही हैं। यह प्रवृत्ति चिंग मिंग फेस्टिवल के बाद विशेष रूप से उभरी है, जब इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में प्राचीन चीनी नायकों की कब्रों पर जाने लगे। वे अपनी यात्राओं की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन साझा करते हैं। इनमें से कुछ लोग खुद को प्राचीन आइडल प्रेमी कहते हैं। एक युवती, चेन मेई, ने तो एक चैट ग्रुप भी बना लिया है, जहां सदस्य पुरानी चीनी रचनाओं पर चर्चा करते हैं और अगली ऐतिहासिक यात्रा की योजना बनाते हैं। ली बाई, तांग राजवंश के प्रसिद्ध कवि, इस ट्रेंड के सबसे लोकप्रिय आइडल हैं उन्हें कवियों का देवदूत कहा जाता है। उनकी कविताएं रूमानी और आज़ाद ख्यालों से भरी थीं, और शराब के प्रति उनके प्रेम की कहानियां भी उतनी ही प्रसिद्ध हैं। कहा जाता है कि ली बाई की मृत्यु तब हुई जब वे नशे में नदी में चांद का प्रतिबिंब पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। आन्हुई प्रांत के एक सुदूर गांव में उनकी कब्र आज भी लोगों के आकर्षण का केंद्र है। श्रद्धालु वहां शराब की बोतलें चढ़ाते हैं, जिससे उनकी समाधि के आगे बोतलों का छोटा पहाड़ बन गया है। एक आगंतुक ने कहा, ली बाई चीनी कविता के स्वर्ण युग के प्रतीक हैं। हम उन्हें सम्मान और शराब दोनों अर्पित करते हैं। इसी तरह, पूर्वी हान राजवंश के प्रसिद्ध नेता और योद्धा काओ काओ को भी आज के युवा याद करते हैं। वे अपनी रणनीतिक प्रतिभा और निर्दयी स्वभाव के लिए जाने जाते थे। ऐतिहासिक दस्तावेज़ बताते हैं कि जीवन के अंतिम वर्षों में वे भयंकर सिरदर्द से पीड़ित रहते थे। शायद इसी कारण उनके हेनान प्रांत स्थित मकबरे पर आगंतुक पेनकिलर (दर्द निवारक दवाएं) चढ़ाते हैं।

अजब-गजब | सोने की खदानों के लिए मशहूर है यह शहर

नरक से बदतर है यहां की जिंदगी, हर आदमी है नशेड़ी

दुनिया में कुछ जगहें ऐसी होती हैं जिन्हें देखकर इंसान रोमांचित हो जाता है, जबकि कुछ जगहें ऐसी हैं जो इंसान को झकझोर देती हैं। दक्षिण अमेरिका के पेरू में स्थित ला रिनकोनाडा ऐसा ही एक शहर है, जिसे दुनिया की सबसे ऊंची और सबसे खतरनाक बस्तियों में गिना जाता है। समुद्र तल से करीब 5,100 मीटर (3.2 मील) की ऊंचाई पर बसा यह शहर अपने सोने की खदानों के लिए मशहूर है, लेकिन यहां का जीवन किसी 'नरक' से कम नहीं। अपराध, प्रदूषण, गरीबी और बीमारियों से घिरे इस शहर को लोग कानूनविहीन शहर भी कहते हैं।

हाल ही में एक इटालियन ट्रैवलर जाजा द इटालियन ने यहां की यात्रा की और अपने अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किए। उन्होंने लिखा कि यह जगह नरक के सबसे करीब है, जहां उन्होंने अब तक की सबसे भयावह परिस्थितियां देखीं। उन्होंने बताया कि यह सफर उनके जीवन की सबसे कठिन रिकॉर्डिंग थी। जाजा ने पास के शहर जुलियाका से तीन घंटे का कठिन मिनीबस सफर तय कर ला रिनकोनाडा पहुंचे। वहां पहुंचते ही उन्होंने हड्डियों को जमा देने वाली ठंड, बर्फबारी और बदबूदार गलियों का सामना किया। उन्होंने लिखा कि शहर का पहला दृश्य एक विशाल, अंतहीन स्लम (झुग्गी बस्ती) जैसा था। सड़क किनारे बच्चे खाना बना रहे थे, जिनमें से ज्यादातर स्कूल नहीं जाते क्योंकि उन्हें छोटी उम्र से ही काम करने या वेश्यावृत्ति में धकेल दिया जाता है।

ला रिनकोनाडा दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बसी स्थायी मानव बस्ती है, जहां ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल की तुलना में आधा है। यहां लोग अक्सर 'क्रॉनिक माउंटेन सिकनेस' नामक बीमारी से पीड़ित रहते हैं। अनुमान है कि हर चार में से एक व्यक्ति इस बीमारी का शिकार है, और इलाज न होने पर यह दिल की विफलता और मौत का कारण बन सकती है। ज़ाज़ा ने एक स्थानीय हेल्थ सेंटर का दौरा किया, जहां एक मेडिकल वर्कर ने उन्हें कोका पत्तियां चबाने और एस्पिरिन लेने की सलाह दी। उसने बताया कि वहां बीमार लोगों की संख्या इतनी ज्यादा है कि काम कभी खत्म नहीं होता। उसने यह भी कहा, यहां लोग अक्सर नशे में होते हैं और मामूली बात पर गोली चला देते हैं।

ज़ाज़ा ने लिखा कि वहां पहुंचने के एक घंटे के भीतर ही उन्होंने गोलियों की आवाजें सुनीं। वे बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर ठंड और खतरे से बचाव कर रहे थे। जब उन्होंने स्थानीय लोगों से बात करने की कोशिश की तो ज्यादातर ने चुप्पी साध ली या मुंह फेर लिया। एक दुकानदार ने बताया, यहां का माहौल बहुत खराब है, लोग बाहरी लोगों से बात नहीं करते और चोरी आम है। मुख्य सड़कों से हटकर उन्होंने एक आदमी को कीचड़ में सोने के टुकड़ों की तलाश करते हुए देखा, जो अपने परिवार के लिए खाना जुटाने के लिए ऐसा कर रहा था। स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां का काम अवैध है- मजदूर एक महीने तक बिना वेतन के काम करते हैं और केवल एक हफ्ते तक जो सोना मिलता है, उसे अपने पास रख सकते हैं लेकिन कई बार महीनों तक मेहनत करने के बाद भी उन्हें कुछ नहीं मिलता।

संवेदनहीन है राजस्थान सरकार : हनुमान बेनीवाल

» बस अग्निकांड पर बोला तीखा हमला- मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ मिले सहायता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। जैसलमेर के पास मंगलवार को हुए भीषण बस हादसे ने पूरे राजस्थान को झकझोर दिया है। इस दुखद घटना के बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल नेजोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और दिवंगतों के परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने मौके पर ही राज्य सरकार की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठाए। घायलों की स्थिति का जायजा लेने के बाद सांसद बेनीवाल ने कहा कि इस हादसे में कई निर्दोष लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई और कई गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि दिवंगतों के प्रत्येक आश्रित को 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही घायलों का इलाज उच्च स्तरीय अस्पतालों में मुफ्त और समुचित रूप से कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं के पीछे स्पष्ट रूप से लापरवाही और नियमों की अनदेखी है। इसलिए दोषियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सांसद बेनीवाल ने कहा कि बस ऑपरेटर नियमों की अनदेखी करते हुए गैर-अधिकृत तरीके से बसों को स्लीपर या एसी में परिवर्तित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की व्यापक जांच होनी चाहिए और ऐसे सभी ऑपरेटरों पर कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्होंने परिवहन नियमों का उल्लंघन किया है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार पर सवाल खड़े कर कहा कि इस घटना से एक दिन पहले जब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की पत्नी पाली में बीमार हुईं तो सरकार ने उनके लिए हेलीकॉप्टर भेज दिया, मगर इस बस हादसे में गंभीर रूप से झुलसे हुए नागरिकों को जोधपुर या जयपुर तत्काल एयरलिफ्ट करके लाने की आवश्यकता थी। जैसलमेर में सैन्य हवाई अड्डे पर सेना के हेलीकॉप्टर तथा चार्टर प्लेन भी थे, मगर मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को इस आगजनी में झुलसे नागरिकों को एयरलिफ्ट करने का विचार तक नहीं आया और पांच घंटे तक झुलसे हुए नागरिक तड़पते रहे, तब जाके वो जोधपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह असंवेदनहीन हो चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री पर भी साधा निशाना

बेनीवाल ने स्वास्थ्य मंत्री पर भी तीखा हमला बोला और कहा कि वे 'भुलक्कड़ मंत्री' हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में आगजनी की घटना के दौरान मंत्री नौ घंटे तक सोते रहे और 17 घंटे बाद पहुंचे। उन्होंने सवाल किया कि ऐसे गैर-जिम्मेदार मंत्री से प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

22 दिन बाद हटाए गए लद्दाख से सभी प्रतिबंध

» हिंसा के आरोपी छह नेताओं को कोर्ट से मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। लद्दाख के लेह जिले में अधिकारियों ने 22 दिन बाद प्रतिबंध हटा लिए हैं। ये प्रतिबंध राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के बाद लगाए गए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। एक अन्य घटनाक्रम में लेह में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लद्दाख के छह प्रमुख नेताओं को कोर्ट ने जमानत दे दी है। जिला प्रशासन ने 24 सितंबर को लेह में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की थी, जिसके तहत पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई थी।

अधिकारियों के अनुसार, तब से हिंसा की कोई घटना दर्ज नहीं की गई थी। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोनक ने एक आदेश में कहा मैं 24 सितंबर को इस कार्यालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से वापस लेता हूं। उन्होंने बताया कि शांति भंग और सार्वजनिक शांति में गड़बड़ी को रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत कुछ प्रतिबंध लगाए गए थे। बता दें लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के एक प्रमुख नेता जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों के दो दिन बाद हुई जिसमें चार लोगों की मौत हुई और 90 लोग घायल हुए थे। लेह में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लद्दाख के छह प्रमुख नेताओं को कोर्ट ने जमानत दे दी है।

आईसीसी रैंकिंग में कुलदीप का जलवा

» जायसवाल ने भी लगाई छलांग, पांचवें स्थान पर पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमश: दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए।

बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जॉन कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है। इन दोनों ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में शतक बनाए थे। इस बीच अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की सीरीज जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं। राशिद ने सीरीज में 11 विकेट लिए, जिससे वह पांच स्थान ऊपर पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अब 710 रेटिंग अंक हो गए हैं जो दूसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज से 30 अंक अधिक हैं। राशिद सितंबर 2018 में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बने थे और आखिरी बार नवंबर 2024 में इस स्थान पर काबिज हुए थे।

भारतीय महिला टीम पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। रविवार को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को तीन विकेट से हराया। भारत को अब रविवार को इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले में उतरना है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की मिशेल पेरेरा ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था। इस कारण उसके खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने कहा कि भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जुर्माना स्वीकार करते हुए अपराध स्वीकार कर लिया है और औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है।

नेहरू का 14 अगस्त का भाषण उत्कृष्ट हिंदुस्तानी भाषणों में से एक : रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिया गया भाषण 20वीं सदी के सबसे उत्कृष्ट हिंदुस्तानी भाषणों में से एक है। रमेश ने पोस्ट किया, काफी समय बाद संविधान सभा की बहसों को दोबारा पढ़ने पर एक लगभग अज्ञात तथ्य सामने आया है।

संविधान सभा की बैठक 14 अगस्त 1947 की रात 11 बजे शुरू हुई थी। जो नेहरू के प्रसिद्ध भाषण 'किस्मत से एक बाजी लगाई थी' की वजह से अमर हो गया। यह सर्वविदित है कि नेहरू ने यह भाषण संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संबोधन के बाद दिया था।''उनका कहना है, अभिलेखों से पता चलता है कि इसके अलावा भी कुछ ऐसा हुआ था, जिस पर उस ऐतिहासिक भाषण के प्रभाव के कारण पर्याप्त ध्यान नहीं जा पाया था।'

ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज स्कूल ऑफ द ईयर अवार्ड 2025 से सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज ने इस वर्ष एक नया मानक स्थापित किया है, जिसे एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा विंटेज लिगेसी डे स्कूल श्रेणी में स्कूल ऑफ द ईयर अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में चुने गए 20 फाइनलिस्टों में से एक के रूप में पहचाने जाने पर हमें बेहद खुशी है, जो उत्कृष्टता की हमारी चिरस्थायी विरासत और समग्र शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक सच्चा प्रमाण है। स्थानीय प्रबंध समिति के अटूट विश्वास और निरंतर समर्थन के लिए मैं उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

हालाँकि, यह पुरस्कार वास्तव में हमारी छात्राओं और स्टाफ के प्रत्येक सदस्य - शिक्षक, गैर-शिक्षक और सहायक स्टाफ का है, जो असाधारण रूप से कड़ी मेहनत करते हैं और ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज को एक प्रेरणा का केंद्र बनाने के लिए समर्पण और प्रेम के साथ हर दिन अपना सब कुछ देते हैं। हमारे माता-पिता और शुभचिंतकों का हमारे द्वारा किए गए सभी कार्यों में उनके विश्वास, प्रोत्साहन और विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद। हम सब मिलकर ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज की मूल भावना और मूल्यों को बनाए रखना जारी रखेंगे।

एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा विंटेज लिगेसी डे स्कूल श्रेणी में मिला पुरस्कार

मैं शक्तिहीन सीएम : उमर

» जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप एक साल पूरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को अपने कार्यकाल का एक साल पूरा कर लिया। हालांकि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराने का उनका वादा अब भी पूरा होता नजर नहीं आता जो कि उनके प्रमुख चुनावी वादों में से एक था। अब्दुल्ला ने पिछले साल 16 अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनकी पार्टी ने विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल की थी जो लगभग एक दशक में पार्टी की पहली जीत थी। अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अधिकतर वादे अब भी अधूरे हैं।

मुख्यमंत्री अक्सर अपनी सरकार की सीमाओं के लिए निर्वाचित सरकार और उपराज्यपाल के बीच शक्तियों के विभाजन को जिम्मेदार ठहराते हैं। पिछले एक साल में सरकार के सामने आई कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुआ आतंकवादी हमला जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका था और इसने घाटी में पर्यटन को बहुत नुकसान पहुंचाया। श्रीनगर में अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक गंभीर बात कही। कुछ फाइलें वापस नहीं आतीं। कुछ गायब हो जाती हैं। शक्तिहीनता की यह स्वीकारोक्ति पिछले साल विधानसभा के लिए अब्दुल्ला के चुनावी भाषणों से बिल्कुल अलग थी।

आज मैं एक केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं

बख्शी स्टेडियम में एक आधिकारिक समारोह को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, पिछली बार जब मैं यहां खड़ा था, तब मैं एक राज्य का मुख्यमंत्री था। हमारे पास एक विधानसभा थी जो निर्णय लेती थी, और एक मंत्रिमंडल था जो उन्हें लागू करता था। हमारे पास अपना झंडा, अपना संविधान, अपने कानून थे। उन्होंने आगे कहा कि आज, मैं एक केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री हूँ। मंत्रिमंडल के निर्णय पारित होते हैं, लेकिन कई स्वीकृत नहीं होते।

बिहार में जोर पकड़ने लगी चुनावी सरगर्मी

» नाराजगी के बीच कांग्रेस ने बिहार में बांटे टिकट
» राजद के साथ मतभेद सुलझाने की कोशिश
» भाजपा सहयोगियों के मान मनौव्वल में जुटी,जदयू ने दूसरी सूची जारी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनावों में तेजी आने लगी है। जहां राजद नेता तेजस्वी ने अपना नामाकंन भर दिया है। वहीं जदयू ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की दी है। इस बीच भाजपा ने उपेन्द्र कु शवाहा को मनाने की कोशिश की है जिसमें वह कामयाब ह ोती दिख रही है।

उधरबिहार के महागठबंधन में बढ़ते सीट बंटवारे के संकट पर केंद्रित है, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल हैं, और इस विवाद के केंद्र में प्रमुख नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव हैं। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने यह बहुत स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी इस बार आगामी बिहार चुनावों में

कांग्रेस व राजद में सीट बंटवारे पर ''सौहार्दपूर्ण समझौता''

बुधवार देर रात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार और शकील अहमद खान, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)में बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के साथ राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के आवास पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, वहां दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर ''सौहार्दपूर्ण समझौता'' हो गया। कांग्रेस ने इससे पहले आक्रामक रुख अपनाया था। पार्टी का मानना था कि राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' से राज्य में उसकी स्थिति मज़बूत हुई है, जहां लंबे समय से उसे कमजोर माना जाता रहा है। अपुष्ट खबरों के मुताबिक, कांग्रेस अब 61 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार हो गई है, जो

2020 में लड़ी गई 70 सीटों से नौ कम हैं। उस चुनाव में पार्टी ने 19 सीटें जीती थी। राजद को इस बार भी सीट बंटवारे में सबसे बड़ा हिस्सा मिलने की उम्मीद है। 60 से अधिक सीटें चाहती है। इस असहमति ने गठबंधन को टूटने के बिंदु पर ला खड़ा किया है, क्योंकि राजद 58 सीटों के अपने प्रस्ताव पर अड़ा हुआ है, जबकि कांग्रेस 65 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। वाम दलों और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) से जुड़े एक प्रस्तावित फॉर्मूले ने संघर्ष को और जटिल बना दिया है, जिसमें पार्टियां पहले से ही अनसुलझे गतिरोध के बावजूद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह जारी कर रही हैं। अब बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने बुधवार को अपने कई नेताओं, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हैं, को पार्टी टिकट दे दिए।

जदयू ने जारी की 44 कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने 44 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में केसरिया से शालिनी मिश्रा, शिवहर से श्वेता गुप्ता और सुरसंड सीट के लिए नागेंद्र राउत को टिकट दिया गया है.

जेडीयू की इस लिस्ट में 4 मुस्लिम उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। नीतीश कुमार की जेडीयू ने पहली लिस्ट में 57 और दूसरी लिस्ट में 44 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है. इसी के साथ एनडीए की सीट शेयरिंग में मिलीं 101 सीटों की संख्या पूरी होती है. यानी जेडीयू के सारे सैनिक चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

तेजस्वी ने राघोपुर विस क्षेत्र से नामांकन पत्र भरा

तेजस्वी यादव ने बिहार के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। शपथपत्र के अनुसार, यादव की पत्नी राजश्री उर्फ रैचेल आयरिस गोडिन्हो के पास 1.88 करोड़ रुपये की संपत्ति है। राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में छह नवंबर को मतदान होगा। तेजस्वी यादव

वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। उन्होंने पहली बार 2015 में इस सीट से जीत हासिल की थी। बिहार में दो चरणों में छह नवंबर और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे। शपथपत्र के मुताबिक, तेजस्वी यादव के पास 6.12 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 1.88 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। उनकी पत्नी राजश्री के पास 59.69 लाख रुपए मूल्य की अचल संपत्ति है। तेजस्वी के पास 1.5 लाख रुपए नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास एक लाख रुपए नकद हैं। राजद नेता के नाम पर कई बैंक खाते हैं और उन पर 55.55 लाख रुपए की देनदारी है। ये देनदारियां उनके भाई तेज प्रताप यादव और मां राबड़ी देवी के साथ लिए गए संयुक्त ऋणों का हिस्सा हैं। तेजस्वी यादव से संबंधित कुल सरकारी बकाया 1.35 करोड़ रुपए बताया गया है। उनकी पत्नी के पास कई बैंक खाते हैं, लेकिन कोई देनदारी या सरकारी बकाया नहीं है।

ममता के 'मैंग्रोव' लगाने के सुझाव पर बंगाल में बवाल

» भाजपा ने टीएमसी सरकार पर किया कटाक्ष
» प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए सीएम का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के उत्तर बंगाल के पर्वतीय इलाकों की तलहटी में 'मैंग्रोव' और खसखस के पौधे लगाने को सियासी चकल्लस होने लगी है। भाजपा ने सीएम पर तंज कसा है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके ऐतिहासिक और क्र ांतिकारी विचार - पहाड़ों में मैंग्रोव - के लिए भूगोल और वनस्पति विज्ञान के अगले नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूं!!! ।

बता देपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक अनोखा सुझाव देते हुए उत्तर बंगाल के पर्वतीय इलाकों की तलहटी में 'मैंग्रोव' और खसखस के पौधे लगाने को कहा है ताकि नदियों के किनारों पर प्राकृतिक अवरोधक बनाए जा सके और भारी बारिश के दौरान होने वाली तबाही को रोका जा सके। बनर्जी ने सुंदरबन में गंगासागर का उदाहरण दिया जहां 'मैंग्रोव' (नदी मुहानों और समुद्र के किनारों पर पनपने वाली वनस्पति) चक्रवातों और बारिश के खिलाफ दीवार की तरह खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि तटीय क्षेत्र में पांच करोड़ मैंग्रोव पौधे लगाए गए और इस कदम के अच्छे परिणाम मिले। उन्होंने बुधवार को एक प्रशासनिक बैठक में कहा, ''हमें प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सुंदरबन की तरह पर्वतीय क्षेत्रों और तलहटी में प्राकृतिक अवरोधक बनाने की जरूरत है। यहां कंक्रीट काम नहीं करेगा क्योंकि वे बढ़ते पानी और भूस्खलन के कारण छह महीने बाद ढह जाते हैं।''उन्होंने कहा, ''हमें इस बार-बार होने वाली समस्या का स्थायी समाधान चाहिए।'' विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री पर तुरंत कटाक्ष किया। अधिकारी 2020 में तृणमूल कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके ऐतिहासिक और क्रांतिकारी विचार - पहाड़ों में मैंग्रोव - के लिए भूगोल और वनस्पति विज्ञान के अगले नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूं।!!''अधिकारी ने बताया कि 'मैंग्रोव' एक विशेष प्रकार के ''खारे जल में पनपने वाली वनस्पति है'' है जो आमतौर पर समुद्र के पास तटीय क्षेत्रों में खारे और नमकयुक्त पानी में उगती हैं।

उन्होंने कहा, ''मैंग्रोव वन या ज्वारीय वन प्रकृति की एक अद्वितीय ढाल हैं, जिनकी तटीय सुरक्षा, जैव विविधता के लिए आवास प्रदान करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में अतुलनीय भूमिका है। यह तटीय क्षेत्रों के लिए एक जीवंत रक्षा प्रणाली की तरह है।''उन्होंने कहा, ''यह अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र तटीय क्षेत्रों को घातक लहरों, तूफानों, चक्रवातों और अन्य समुद्री समस्याओं से बचाता है और यह कीचड़ भरी खारी आर्द्रभूमि असंख्य कीड़ों, मछलियों, सरीसृपों, पक्षियों और अन्य जीवों का निवास स्थान है।''

अतीक के बेटे अली को झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज की अदालत ने माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को बड़ा झटका दिया है। झांसी जेल में बंद अली अहमद की जमानत याचिका को सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

अली अहमद पर बिल्डर से करोड़ों रुपए की रंगदारी मांगने और जमीन अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाने के गंभीर आरोप हैं। यह मामला 26 अप्रैल 2023 का है, जब चकिया के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद मुस्लिम ने प्रयागराज के खुल्दाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

करूर भगदड़ में एहतियाती कदम उठाने में विफल रही स्टालिन सरकार : पलानीस्वामी

» तमिलनाडु में विपक्ष के नेता ने डीएमके पर साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु में विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) ने करूर भगदड़ की घटना पर विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा दिए गए बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि द्रमुक सरकार एहतियाती कदम उठाने में विफल रही।

स्टालिन के 606 पुलिस अधिकारियों के ड्यूटी पर होने के दावे पर सवाल उठाते हुए, पलानीस्वामी ने कहा कि पुलिस सूत्रों से पता चला है कि केवल 500 पुलिसकर्मी तैनात थे। पलानीस्वामी ने तमिलनाडु विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि 600 से ज़्यादा पुलिसकर्मी तैनात थे, लेकिन पुलिस सूत्रों के अनुसार वास्तव में केवल 500 पुलिसकर्मी ही ड्यूटी पर थे। मुख्यमंत्री के बयान और पुलिस के बयान में साफ़ अंतर है। करूर भगदड़ में हुई मौतों के मामले में सरकार एहतियाती कदम उठाने में विफल रही। उन्होंने आगे कहा कि करूर में भीड़ द्वारा कुचले जाने की घटना में लगभग 41 लोगों की जान चली गई। यह एक बेहद दुखद और पीड़ादायक घटना है। एआईडीएमके की ओर से मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील पर चलेगा केस

अटॉर्नी जनरल ने राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले एडवोकेट की मुश्किल बढ़ सकती है। देश के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने आरोपी एडवोकेट राकेश किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति दे दी।

एडवोकेट राकेश किशोर ने पिछले हफ्ते कोर्ट रूम में सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के लिए बेहतर होगा कि वह अधिक समय बर्बाद करने के बजाय मामलों की सुनवाई के अपने रोजमर्रा के काम पर ध्यान केंद्रित करे। कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या इससे प्रचार चाहने को मौका नहीं मिलेगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ एडवोकेट विकास सिंह और देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संयुक्त रूप से दूसरे सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष

मामले का उल्लेख किया। उन्होंने आपराधिक अवमानना मामले को सूचीबद्ध करने की मांग की। सिंह ने पीठ को अटॉर्नी जनरल द्वारा अनुमति दिए जाने की जानकारी दी और सॉलिसिटर जनरल ने इस तथ्य की पुष्टि की। सिंह ने कहा कि मैंने अटॉर्नी जनरल की सहमति ले ली है और कल सुनवाई की मांग कर रहा हूं। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि विद्वान अटॉर्नी जनरल ने सहमति दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप अवमानना का मामला अपने हाथ में लें। संवैधानिक निष्ठा सवालों के घेरे में है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पूछा कि क्या इस मुद्दे को आगे उठाया जाना चाहिए, और इस ओर इशारा किया कि सीजेआई ने खुद इस घटना को अनदेखा कर दिया है। जस्टिस कांत ने कहा, माननीय चीफ जस्टिस अत्यंत उदार रहे हैं... इससे पता चलता है कि संस्था इस तरह की घटनाओं से प्रभावित नहीं होती।

प्रचार चाहने वालों को मौका नहीं मिलेगा?

जस्टिस बागची ने पूछा कि क्या इस मुद्दे को फिर से उठाने से प्रचार चाहने वालों को और मौका नहीं मिलेगा। जस्टिस बागची ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि अदालत का समय अन्य प्राथमिकता वाले मामलों से भटक रहा है। उन्होंने कहा, अब जैसे ही आप कोई कार्रवाई करेंगे, वह प्रकरण संख्या 2 बन जाएगा। विकास सिंह ने हालांकि, इस ओर ध्यान दिलाया कि किशोर ने अपने कृत्य पर कोई खेद व्यक्त नहीं किया है और वह अपने कृत्य का महिमामंडन करते हुए बयान जारी कर रहा है। जस्टिस बागची ने कहा कि यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को इस घटना से पैसा कमाने का मौका भी देगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।